प्रोग्रेसिव एज्युकेशन सोसायटी का

मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त)

शिवाजीनगर, पुणे – 05

एम. ए . हिंदी साहित्य, प्रथम वर्ष

(2019 पाठ्यक्रम)

प्रश्नपत्र कोड: 19ArHinP151 **प्रश्नपत्र:P1 : सामान्य स्तर -प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य (अमीर खुसरो तथा जायसी)**

अध्यापन पद्धति: TH:4 तासिकाएँ/ सप्ताह **श्रेयांक : 04**

परीक्षा पद्धति: CIA: 50 Marks **सत्रांत परीक्षा: 50 Marks**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी साहित्य की आदिकालीन तथा भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
- छात्रों को प्राचीन और मध्ययुगीन काव्यकृतियों का परिचय कराना।
- प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों की काव्यकला सेछात्रों को अवगत कराना।
- छात्रों को आदिकालीन हिंदी बोली रूपों से अवगत करना।
- छात्रों में प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य-अध्ययन के माध्यम से समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम से ज्ञानप्राप्ति (Course Outcomes) :

- छात्र भारतीय साहित्य के गौरवशाली साहित्य लेखन परंपरा से अवगत होंगे।
- छात्रों में विवेचनात्मक और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा।
- छात्र हिंदी की प्राचीन भाषा एवं रचनाओं की महत्ता को समझ पाएँगे।

पाठ्य- विषय : प्रथम अयन

इकाई 1	पाठ्यपुस्तक - अमीर खुसरोऔरउनका हिंदी साहित्य - सं. भोलानाथ तिवारी	30 तासिकाएँ
	1.1 ससंदर्भ व्याख्या के लिए रचनाएँ: 1.2 पहेलियाँ:- 1.3 अंतर्लिपिका:-1, 4, 12, 15, 17 = 05 1.4 बहिर्लिपिका:- 13, 18, 20, 21, 23 = 05	

	1.5 मुकरियाँ:- 7, 9, 11, 15, 19, 30, 48 i. =07 1.6 गीत:- 2, 5, 7 = 03 1.7 अध्ययनार्थ विषय:- a. अमीर खुसरो के काव्य में समाज b. अमीर खुसरो के गीतों में संवेदनशीलता c. अमीर खुसरो की पहेलियों में लोकरंजकता d. अमीर खुसरो की मुकरियों में लोकरंजकता e. अमीर खुसरो के निस्बतें, दो सुखने और ढकोसलों में मनोरंजन f. अमीर खुसरो का खड़ीबोली हिंदी के विकास में योगदान g. अमीर खुसरो की भाषा h. अमीर खुसरो की काव्य कला i. अमीर खुसरो के काव्य की देन	
इकाई 2	पाठ्यपुस्तक-पद्मावत:- मलिक मुहम्मद जायसी सं. वासुदेशरण अग्रवाल	30 तासिकाएँ
	2.1 ससंदर्भ व्याख्या के लिए खंड: 2.2 नागमती वियोग खंड 2.3 अध्ययनार्थ विषय:- a. पद्मावत में प्रेम भाव b. पद्मावत में सौंदर्य वर्णन c. पद्मावत में विरह वर्णन d. पद्मावत में प्रकृति चित्रण e. पद्मावत में चरित्र चित्रण f. पद्मावत में इतिहास और कल्पना g. पद्मावत की महाकाव्यात्मकता h. पद्मावत की भाषा तथा अलंकार योजना i. पद्मावत की काव्यकला	

- **पाठ्यपुस्तकें** -

1. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य - सं. भोलानाथ तिवारी
   प्रकाशन- प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड,नई दिल्ली – 10002
2. पद्मावत - मलिक मुहम्मद जायसी; सं. वासुदेशरण अग्रवाल

प्रकाशन- साहित्य सदन, चिरगाँव झाँसी

- **संदर्भ ग्रन्थ सूची -**

1. अमीर खुसरो – हरदेव बाहरी
2. खुसरो की हिंदी कविता – ब्रजरत्न दास
3. जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन – प्रो. हरेंद्र्प्रताप सिन्हा
4. महाकवि जायसी और उनका काव्य –डॉ. शिवसहायपाठक
5. पद्मावत का काव्य सौन्दर्य- डॉ. चन्द्रबली पाण्डेय
6. हिंदी के प्रतिनिधि कवि- डॉ. सुरेश अग्रवाल

.....

प्रश्नपत्र का स्वरुप –P1 सामान्य स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो तथा जायसी)

समय– दो घंटे **कुल अंक**– 50
सूचना– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे।

प्रश्न 1. अमीर खुसरो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर) 10
अथवा
अमीर खुसरो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)

प्रश्न 2. जायसी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर) 10
अथवा
जायसी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)

प्रश्न 3.अमीर खुसरो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर) 10
अथवा
जायसी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)

प्रश्न 4. अमीर खुसरो एवं जायसी पर टिप्पणियां (4 में से 2) 10

प्रश्न 5. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए
क. अमीर खुसरो अथवा अमीर खुसरो (2 में से 1) 10
ख. पद्मावत अथवा पद्मावत (2 में से 1)

प्रोग्रेसिव एज्युकेशन सोसायटी का

मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त)

शिवाजीनगर, पुणे –05

एम. ए. हिंदी साहित्य, प्रथम वर्ष

(2019 पाठ्यक्रम)

प्रश्नपत्र कोड: 19ArHinP152 **प्रश्नपत्र: P2 – विशेष स्तर- आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)**

अध्यापन पद्धति: TH:4 तासिकाएँ/सप्ताह **श्रेयांक : 04**

परीक्षा पद्धति: CIA: 50 अंक **सत्रांत परीक्षा: 50 अंक**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरुप का परिचय देना।
- प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।
- विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्त्व समझाने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
- रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

पाठ्यक्रम से ज्ञानप्राप्ति(Course Outcomes)

- छात्र हिंदी उपन्यास विधा के विकास एवं पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।
- हिंदी कहानी के स्वरूप से छात्र परिचित होंगे।
- साहित्य के द्वारा छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना निर्माण होगी।

पाठ्य- विषय : प्रथम अयन

इकाई 1	रेहन पर रग्घू (उपन्यास)– काशीनाथसिंह	30 तासिकाएँ
	1.1 हिंदी उपन्यास विधा विकास 1.2 विवेच्य रचनाकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 1.3 रेहन पर रग्घू: संवेदना और शिल्प 1.4 रेहन पर रग्घू : चरित्र तत्व 1.5 रेहन पर रग्घू : संवाद तत्व 1.6 रेहन पर रग्घू : देशकाल एवं वातावरण 1.7 रेहन पर रग्घू : उद्देश्य	

	1.8 रेहन पर रग्घू : शैलीपक्ष 1.9 रेहन पर रग्घू : शीर्षक की सार्थकता	
इकाई 2	हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ- सं. डॉ.सुरेश बाबर, डॉ.विट्ठलसिंह ढाकरे	30 तासिकाएँ
	2.1 हिंदी कहानी विधा का विकास 2.2 कहानी विधा के तत्व तथा आलोचना : हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के संदर्भ में। 2.3 हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ:- 2.4 यही मेरावतन- प्रेमचंद 2.5 उसकी माँ- पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' 2.6 हंसा जाई अकेला - मार्कण्डेय 2.7 सज़ा- राजेंद्र यादव 2.8 मनहसाबी- मन्नू भंडारी 2.9 वह मैं ही थी- ममता कालिया 2.10 लिटरेचर- मृदला गर्ग 2.11 मुंबई कांड- ओमप्रकाश वाल्मीकि	

- **पाठ्यपुस्तकें**–

1. रेहन पर रग्घू(उपन्यास) - काशीनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी की श्रेष्ठ कहानियां (कहानी संकलन) – संपादक – डॉ.सुरेश बाबर, डॉ.विठ्ठलसिंह ढाकरे ; प्रकाशक - अरुणोदय प्रकाशन,21 ए- अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली

- **संदर्भ ग्रंथ सूची**–

1. समकालीन हिंदी उपन्यास- डॉ. विवेकी राय
2. उपन्यास : स्थिति और गति – डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
3. आज का हिंदी उपन्यास –डॉ. इंद्रनाथ मदान
4. नई कहानी का स्वरूप विवेचन – डॉ. इंदु रश्मि
5. नई कहानी के विविध प्रयोग – शशिभूषण पाण्डेय शीतांशु
6. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
7. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य- डॉ. राजेंद्र खैरनार
8. उत्तरशती का हिंदी साहित्य – संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन

.....

प्रश्नपत्र का स्वरुप – P2- विशेष स्तर - आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास तथा कहानी)

समय – दो घंटे **कुल अंक** – 50

सूचना – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे।

प्रश्न 1. कहानी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर) 10

अथवा

कहानी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)

प्रश्न 2. उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर) 10

अथवा

उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)

प्रश्न 3. कहानी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर) 10

अथवा

उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)

प्रश्न 4. कहानी एवं उपन्यास पर टिप्पणियां (4 में से 2) 10

प्रश्न 5. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए 10

क. कहानी अथवा कहानी (2 में से 1)

ख. उपन्यास अथवा उपन्यास (2 में से 1)

प्रोग्रेसिव एज्युकेशन सोसायटी का

मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त)

शिवाजीनगर, पुणे – 05

एम. ए . हिंदी साहित्य, प्रथम वर्ष

(2019 पाठ्यक्रम)

प्रश्नपत्र कोड: 19ArHinP153 **प्रश्नपत्र: P3 विशेष स्तर - भारतीय साहित्यशास्त्र**

अध्यापन पद्धति: TH: 4 तासिकाएँ/सप्ताह **श्रेयांक: 04**

परीक्षा पद्धति: CIA: 50 अंक **सत्रांत परीक्षा: 50 अंक**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य(Course Objectives)

- छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
- छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित कराना।
- छात्रों को साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित कराना।
- छात्रों को साहित्यशास्त्रीय समीक्षा का महत्त्व अवगत कराना।

पाठ्यक्रम से ज्ञानप्राप्ति(Course Outcomes)

- छात्रों को भारतीय साहित्य-शास्त्रीय सिद्धांत में साम्य- वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान छात्रों को होगा।
- छात्रों में अनुसन्धान की दृष्टि का विकास होगा।
- भाषा और साहित्य से संबंधित सिद्धांतों से छात्र अवगत होंगे।
- भाषा के विविध पहलुओं से छात्र परिचित होंगे।

- **पाठ्य- विषय:प्रथम अयन**

इकाई 1	रस सिद्धांत	10 तासिकाएँ

	1.1 रस का स्वरूप, 1.2 भरतमुनि का रससूत्र, 1.3 रस के अवयव (अंग), 1.4 रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोलटक, शंकुक, भट्टनायक तथा अभिनव गुप्त द्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन, 1.5 साधारणीकरण की अवधारणा, 1.6 करुण रस का आस्वाद	
इकाई 2	अलंकार सिद्धांत	10 तासिकाएँ
	2.1 अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, 2.2 अलंकार की परिभाषा, 2.3 अलंकार सिद्धांत का स्वरूप, 2.4 अलंकार और अलंकार्य, 2.5 अलंकार और रस, 2.6 काव्य में अलंकार का स्थान	
इकाई 3	रीति सिद्धांत	10 तासिकाएँ
	3.1 रीति शब्द की व्युत्पत्ति, 3.2 रीति की परिभाषा, 3.3 रीति संप्रदाय, 3.4 रीति भेद, 3.5 रीति और गुण	
इकाई 4	ध्वनि सिद्धांत	10 तासिकाएँ
	4.1 ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, 4.2 ध्वनि की परिभाषा, 4.3 ध्वनि का स्वरूप, 4.4 ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, 4.5 ध्वनि और शब्द- शक्ति, ध्वनि के भेद - अभिधामूलक ध्वनि (संलक्ष्यक्रम व्यंग्य ध्वनि, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य ध्वनि) और लक्षणमूलक 4.6 ध्वनि का महत्व	
इकाई 5	वक्रोक्ति सिद्धांत	10 तासिकाएँ

	5.1 वक्रोक्ति की परिभाषा, 5.2 आ. कुंतक पूर्व वक्रोक्ति विचार, 5.3 वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, 5.4 वक्रोक्ति के भेद, 5.5 वक्रोक्ति का महत्व	
इकाई 6	औचित्य सिद्धांत	10 तासिकाएँ
	6.1 औचित्य का स्वरूप, 6.2 आचार्य क्षेमेंद्र पूर्व औचित्य विचार, 6.3 आचार्य क्षेमेंद्र का औचित्य विचार, 6.4 औचित्य के भेद	

- **संदर्भ ग्रंथ सूची –**
  - काव्यशास्त्र – डॉ. भागीरथ मिश्र
  - भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन – डॉ. सभापति मिश्र
  - भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चन सिह
  - भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
  - भारतीयकाव्यशास्त्र – आ. बलदेवउपाध्याय
  - साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
  - भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. तेजपाल चौधरी

.....

प्रश्नपत्र का स्वरुप – P3 विशेष स्तर - भारतीय साहित्यशास्त्र

समय – दो घंटे **कुल अंक** – 50

सूचना – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे।

संपूर्ण पाठ्यक्रम पर कुल तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न तीन इकाइयों पर होंगे तथा चौथा प्रश्न एक इकाई पर लघुत्तरी(4 में से 2) होगा और पांचवा प्रश्न टिप्पणियों का चारों इकाइयों पर (4 में से 2) होगा। पाँचों प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

प्रोग्रेसिव एज्युकेशन सोसायटी का

मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त)

शिवाजीनगर, पुणे –05

एम. ए. हिंदी साहित्य, प्रथम वर्ष

(2019 पाठ्यक्रम)

प्रश्नपत्र कोड: 19ArHinP154 (वैकल्पिक) **प्रश्नपत्र:P4 विशेष स्तर: वैकल्पिक अ) विशेष साहित्यकार: नाटककार सुरेंद्र वर्मा**

अध्यापन पद्धति: TH: 4 तासिकाएँ/सप्ताह **श्रेयांक:04**

परीक्षा पद्धति: CIA: 50 अंक **सत्रांत परीक्षा: 50अंक**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य(Course Objectives)

- नाटक के स्वरूप और विशेषताओं से परिचित कराना।
- हिंदी नाटी साहित्य के विकासक्रम की जानकारी देना।
- विषय, शैली, भाषा, मंचीयता आदि आधारों परनाटक से परिचित कराना।
- हिंदी नाटक साहित्य में सुरेन्द्र वर्मा का स्थान और योगदान से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम से ज्ञानप्राप्ति(Course Outcomes)

- नाटक की विशेषता और विकास क्रम से छात्र परिचित होंगे।
- नाटक की प्रयोगधर्मिता एवं मंचीयतासे छात्रअवगत होंगे।
- नाटक के मंचन की दृष्टि विकसित होगी।

पाठ्य- विषय: प्रथम अयन

इकाई 1	सूर्य की अंतिम किरण से पहली किरण तक (नाटक)- सुरेंद्र वर्मा	15 तासिकाएँ
	1.1 सुरेन्द्र वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 1.2 नाटक का तत्वों के आधार पर विश्लेषण 1.3 भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टी से नाटक के स्वरुप एवं तत्वों का परिचय 1.4 हिंदी नाटक साहित्य का विकास 1.5 हिंदी रंगमंच का विकास 1.6 हिंदी नाटक और प्रयोगधर्मिता 1.7 सूर्य की अंतिम किरण से पहली किरण तक" नाटक का विश्लेषण 1.8 प्रस्तुत नाटक की मंचीयता 1.9 प्रश्न चर्चा 1.10 प्रत्यक्ष मंचन	
इकाई 2	आठवां सर्ग (नाटक) – सुरेंद्र वर्मा	15 तासिकाएँ
	2.1 प्रस्तुत नाटक का तत्वों के आधार पर विश्लेषण 2.2 नाटक की मंचीयता 2.3 प्रश्न चर्चा 2.4 प्रत्यक्ष मंचन	
इकाई 3	रति का कंगना (नाटक) – सुरेंद्र वर्मा	15 तासिकाएँ
	3.1 प्रस्तुत नाटक का तत्वों के आधार पर विश्लेषण 3.2 नाटक की मंचीयता 3.3 प्रश्न चर्चा 3.4 प्रत्यक्ष मंचन	
इकाई 4	प्रस्तुत नाटकों के सन्दर्भ में अन्य अध्ययनार्थ विषय-	15 तासिकाएँ
	4.1 सुरेन्द्र वर्मा का नाट्य चिंतन 4.2 पठित नाटकों केआधार पर सुरेन्द्र वर्मा की नाट्य कला का विवेचन 4.3 हिंदी नाटक क्षेत्र में सुरेन्द्र वर्मा का योगदान 4.4 हिंदी रंगमंच के क्षेत्र में सुरेंद्र वर्मा का स्थान : सामान्य परिचय	

पाठ्यपुस्तकें –

1. सूर्य की अंतिम किरण से पहली किरण तक (नाटक)- सुरेंद्र वर्मा
2. आठवां सर्ग (नाटक) – सुरेंद्र वर्मा

3. रति का कंगना (नाटक) – सुरेंद्र वर्मा

- **संदर्भ ग्रंथ सूची**–

1. हिंदी नाटक : सिद्धांत और विवेचन –गिरिश रस्तोगी
2. पहला रंग – देवेन्द्रराज अंकुर
3. हिंदी नाटक आधुनिक हिंदी नाटक- डॉ. नगेन्द्र
4. साठोत्तरी हिंदी नाटकों का रंगमंचीय अध्ययन – राकेश वत्स
5. सुरेंद्र वर्मा के नाटकों में मंचीयता – देवेन्द्र
6. सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों में मिथक का आधुनिकीकरण – प्रवीण सिंह चौहान
7. डॉ. सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का अनुशीलन – डॉ. जयश्री सिंह

.....

प्रश्नपत्र का स्वरुप – P4 विशेष स्तर – वैकल्पिक अ) विशेष साहित्यकार : सुरेंद्र वर्मा

समय – दो घंटे **कुल अंक** – 50

सूचना – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे।

संपूर्ण पाठ्यक्रम पर कुल तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न तीन इकाइयों पर होंगे तथा चौथा प्रश्न एक इकाई पर लघुत्तरी(4 में से 2) होगा और पांचवा प्रश्न टिप्पणियों का चारों इकाइयों पर (4 में से 2) होगा। पाँचों प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

प्रोग्रेसिव एज्युकेशन सोसायटी का

मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त)

शिवाजीनगर, पुणे –05

एम. ए. हिंदी साहित्य, प्रथम वर्ष

(2019 पाठ्यक्रम)

प्रश्नपत्र कोड : 19ArHinP251 प्रश्नपत्र:P5 सामान्य स्तर- मध्ययुगीन हिंदी काव्य (सूरदास और बिहारी)

अध्यापन पद्धति: TH:04 तासिकाएँ/सप्ताह श्रेयांक :04

परीक्षा पद्धति: CIA : 50 अंक सत्रांत परीक्षा: 50 अंक

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- हिंदी के आदिकालीन,भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
- तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी काव्यकृतियों से परिचय कराना।
- पाठ्यकृतियों और रचनाओं के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

पाठ्यक्रम से ज्ञानप्राप्ति (Course Outcomes) :

- छात्रों को प्राचीन हिंदी काव्य की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त होगी।
- तत्कालीन महत्वपूर्ण हिंदी रचनाकारों का परिचय होगा।
- विभिन्न कृतियों को पढ़ते हुए उनकी समीक्षा की क्षमता छात्रों में विकसित होगी।

पाठ्य- विषय : प्रथम अयन

इकाई 1	**सूरदास : भ्रमरगीत सार**	30 तासिकाएँ
	1.1 भ्रमरगीत सार के पद – 21 से 60 1.2 सूरदास का परिचय 1.3 भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि 1.4 सूरदास के काव्य में योग बनाम भक्ति 1.5 भ्रमरगीत: एक उपालंभ 1.6 सूर के भ्रमरगीत की विशेषताएँ 1.7 सूर की गोपियाँ 1.8 सूरके उद्धव	

	1.9 सूर की गोपियों का वाग्वैदग्ध्य 1.10 भ्रमरगीत में व्यंजना 1.11 भ्रमरगीत में प्रकृति चित्रण 1.12 भ्रमरगीत का कला पक्ष 1.13 सूर की भाषा 1.14 प्रश्न चर्चा, संवाद	
इकाई 2	**बिहारी रत्नाकर – बिहारी के दोहे**	30 तासिकाएँ
	2.1 ससंदर्भ व्याख्या के लिए दोहे – 1,13,23,24,40,43,50,52,64,66,86,90,92, 152,181,201,217,251,283,301,318, 322, 345,373,388,425,472,496,530,543,588,610 , 632,642,677,689,710,713 2.2 रीतिसिद्ध कवि बिहारी 2.3 बिहारी का शृंगार वर्णन 2.4 बिहारी का संयोग-वियोग निरूपण 2.5 बिहारी का सौन्दर्य चित्रण 2.6 बिहारी की भक्तिभावना 2.7 बिहारी की बहुज्ञता 2.8 मुक्तककार बिहारी 2.9 बिहारी का शृंगारेतर काव्य 2.10 बिहारी का काव्य सौन्दर्य 2.11 बिहारी की अलंकार योजना 2.12 बिहारी की भाषा शैली 2.13 सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान 2.14 प्रश्नचर्चा, संवाद, लेखन	

पाठ्यपुस्तकें –

1. सूरदास : भ्रमरगीत सार; संपादक - आ. रामचंद्र शुक्ल; साहित्य सेवा सदन, वाराणसी (पदक्रम-21 से 60)
2. बिहारी रत्नाकर : श्री. जगन्नाथ 'रत्नाकर'; प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, संस्करण-2006

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. सूर साहित्य – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

2. सूर की भाषा – डॉ. प्रेमनारायण टंडन
3. कृष्णकाव्य और सूर : सांस्कृतिक संदर्भ
4. महाकवि सूरदास – आ. नंददुलारे वाजपेयी
5. भ्रमरगीत : एक अन्वेषण – डॉ. सत्येन्द्र
6. बिहारी और उनका साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा / डॉ. परमानंद शास्त्री
7. बिहारी काव्य का मूल्यांकन – किशोरी लाल
8. सूर की मौलिकता – डॉ. वेदप्रकाश शास्त्री

प्रश्नपत्र का स्वरुप – P5 – सामान्य स्तर - मध्ययुगीन हिंदी काव्य (सूरदास और बिहारी)

समय – दो घंटे **कुल अंक** – 50

सूचना – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे।

प्रश्न 1. सूरदास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	10
अथवा	
सूरदास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	
प्रश्न 2. बिहारी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	10
अथवा	
बिहारी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	
प्रश्न 3. सूरदास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	10
अथवा	
बिहारी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	
प्रश्न 4.सूरदास एवं बिहारी पर लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	10
प्रश्न 5. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए	
ग. दोनों कवियों पर (3 में से 2)	10

प्रोग्रेसिव एज्युकेशन सोसायटी का

मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त)

शिवाजीनगर, पुणे –05

एम. ए. हिंदी साहित्य, प्रथम वर्ष

(2019 पाठ्यक्रम)

प्रश्नपत्र कोड: 19ArHinP252 प्रश्नपत्र: P6 - विशेष स्तर – आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध

अध्यापन पद्धति: TH: 4 तासिकाएँ/सप्ताह **श्रेयांक: 04**

परीक्षा पद्धति: CIA: 50 अंक **सत्रांत परीक्षा: 50 अंक**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
- प्रमुख गद्य विधाओं के विकास क्रम की जानकारी देना।
- विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्त्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
- रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

पाठ्यक्रम से ज्ञानप्राप्ति (Course Outcomes) :

- गद्य की मुख्य विधाओं के सैद्धांतिक पक्ष से छात्र अवगत होंगे।
- गद्य विधा के विकास क्रम की जानकारी प्राप्त होगी।
- रचना के आस्वादन और समीक्षण की क्षमता छात्रों में विकसित होगी।

Course Contents

इकाई 1	आगरा बाजार (नाटक) – हबीब तन्वीर	30 तासिकाएँ
	1.1 हिंदी नाटक का विकास 1.2 महत्वपूर्ण हिंदी नाटक 1.3 हबीब तन्वीर का परिचय 1.4 आगरा बाजार नाटक का विश्लेषण 1.5 आगरा बाजार नाटक का हिंदी नाटकों में स्थान 1.6 आगरा बाजार नाटक की शिल्पगत संरचना 1.7 आगरा बाजार नाटक की मंचीयता 1.8 प्रश्न चर्चा 1.9 अभ्यास	

	1.10 प्रत्यक्ष मंचन	
इकाई 2	हिंदी निबंधमाला	30 तासिकाएँ
	2.1 निबंध विधा का विकास 2.2 निबंधमाला के निबंधों का विश्लेषण - 2.3 उत्साह – आ. रामचंद्र शुक्ल 2.4 पुस्तकालय: मिलन का उत्तम मार्ग 2.5 नीलकंठ उदास – कुबेरनाथ राय 2.6 संस्कृति है क्या ? – रामधारीसिंह दिनकर का परिचय 2.7 अंधी जनता और लंगड़ा जनतंत्र 2.8 समाधि लेख– डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय 2.9 बुद्धिजीवी – डॉ. शंकर पुणतांबेकर 2.10 पानी है अनमोल – डॉ. श्रीराम परिहार 2.11 पठित प्रत्येक निबंध की विशेषता 2.12 पठितनिबंधों में विचारात्मकता 2.13 पठित निबंधों की भाषा शैली 2.14 प्रश्न चर्चा, लेखन एवं संवाद	

पाठ्यपुस्तकें –

1. आगरा बाजार (नाटक)- हबीब तनवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी निबंधमाला – संपादक डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोरवणकर, अरुणोदय प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

- **संदर्भ ग्रंथ सूची** –

1. हिंदी रंगकर्म दशा और दिशा – डॉ. जयदेव तनेजा
2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – डॉ. जयदेव तनेजा
3. सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक – रमेश गौतम
4. युगबोध और हिंदी नाटक डॉ. सरिता वशिष्ठ
5. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

6. उत्तरशती का हिंदी साहित्य – संपादक- डॉ. सुरेशकुमार जैन

.....

प्रश्नपत्र का स्वरुप – P6 विशेष स्तर – आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध

समय – दो घंटे **कुल अंक** – 50

सूचना – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे।

प्रश्न 1.नाटक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	10
अथवा	
नाटक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	
प्रश्न 2. निबंध पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	10
अथवा	
निबंध पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	
प्रश्न 3. नाटक पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	10
अथवा	
निबंध पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक इकाई पर)	
प्रश्न 4. नाटक एवंनिबंध पर लघुत्तरी प्रश्न (4 में से 2)	10
प्रश्न 5. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए	
घ. नाटक तथा निबंध पर (3 में से 2)	10

प्रोग्रेसिव एज्युकेशन सोसायटी का

मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त)

शिवाजीनगर, पुणे –05

एम. ए. हिंदी साहित्य, प्रथम वर्ष

(2019 पाठ्यक्रम)

प्रश्नपत्र कोड: 19ArHinP253 **प्रश्नपत्र: P7 विशेष स्तर – पाश्चात्य साहित्यशास्त्र**

अध्यापन पद्धति: TH: 4 तासिकाएँ/सप्ताह **श्रेयांक:04**

परीक्षा पद्धति: CIA: 50 Marks **सत्रांत परीक्षा : 50 Marks**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य(Course Objectives)

- छात्रों को पाश्चात्य साहित्य का परिचय देना।
- पाश्चात्य साहित्य के विकासक्रम का परिचय देना।
- साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों से अवगत कराना।
- छात्रों को साहित्यशास्त्रीय समीक्षा का महत्त्व स्पष्ट कराना।
- पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य- वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
- छात्रों को नई आलोचना की प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना।
- साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के द्वारा छात्रोंमें समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यक्रम से ज्ञानप्राप्ति(Course Outcomes)

- छात्रों को पाश्चात्य साहित्य एवं उसके सिद्धांतों से परिचय होगा।
- छात्र पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम से अवगत होंगे।
- साहित्यशास्त्रीय समीक्षा की महत्ता ज्ञात होगी।
- नई आलोचना की प्रणालियों से छात्र परिचित होंगे।
- छात्रों में आलोचना की दृष्टि विकसित होगी।

पाठ्य- विषय: प्रथम अयन

इकाई 1	प्लेटो	10तासिकाएँ
	1.1 काव्य सिद्धांत 1.2 अनुकरण सिद्धांत 1.3 प्रश्न चर्चा, संवा	

इकाई 2	अरस्तु के काव्य सिद्धांत	10तासिकाएँ
	2.1 अनुकरण सिद्धांत : अनुकरण सिद्धांत की व्याख्या 2.2 विरेचन सिद्धांत : स्वरुप विवेचन, विरेचन का महत्त्व, त्रासदी विवेचन 2.3 प्रश्न चर्चा, लेखन	
इकाई 3	उदात्त सिद्धांत	10तासिकाएँ
	3.1 उदात्त की व्याख्या 3.2 उदात्त के अन्तरंग तथा बहिरंग तत्व 3.3 काव्य में उदात्त का महत्त्व लोंजाईनस का योगदान 3.4 प्रश्न चर्चा, लेखन	
इकाई 4	आई. ए. रिचर्ड्स का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत	08 तासिकाएँ
	4.1 काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या 4.2 संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरुप 4.3 आई. ए. रिचर्ड्स का योगदान 4.4 प्रश्नचर्चा, लेखन	
इकाई 5	इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत	08तासिकाएँ
	5.1 इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी अवधारणा 5.2 वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत 5.3 इलियट का योगदान 5.4 प्रश्न चर्चा, संवाद, लेखन	
इकाई 6	विविध वाद : सामान्य परिचय	06तासिकाएँ
	6.1 प्रतीकवाद 6.2 बिंबवाद 6.3 अभिव्यंजनावाद 6.4 अस्तित्ववाद 6.5 यथार्थवाद 6.6 संरचनावाद 6.7 विखंडनवाद 6.8 उत्तरआधुनिकता- स्वरुप और महत्त्व 6.9 प्रश्नचर्चा	
इकाई 7	आलोचना की प्रणालियाँ	06तासिकाएँ

	7.1 सैद्धांतिक 7.2 व्याख्यात्मक 7.3 मनोवैज्ञानिक 7.4 मार्क्सवादी, 7.5 ऐतिहासिक 7.6 स्त्री विमर्श 7.7 दलित विमर्श 7.8 प्रश्न चर्चा, संवाद	

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. अरस्तु का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेन्द्र
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र :अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र
5. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत :एक विश्लेषण – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
6. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद – सुधीश पचौरी
7. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार –डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चन सिंह

.....

प्रश्नपत्र का स्वरुप – P7 विशेष स्तर- पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

समय – दो घंटे **कुल अंक** – 50

सूचना –1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2.सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे।

संपूर्ण पाठ्यक्रम पर कुल तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न तीन इकाइयों पर होंगे तथा चौथा प्रश्न एक इकाई पर लघुत्तरी(4 में से 2) होगा और पांचवा प्रश्न टिप्पणियों का चारों इकाइयों पर (4 में से 2) होगा। पाँचों प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

प्रोग्रेसिव एज्युकेशन सोसायटी का

मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त)

शिवाजीनगर, पुणे –05

एम. ए. हिंदी साहित्य, प्रथम वर्ष

(2019 पाठ्यक्रम)

प्रश्नपत्र कोड: 19ArHinP254 प्रश्नपत्र: P8 विशेष स्तर (वैकल्पिक) - विशेष विधा तथा अन्य - अ)मीडिया लेखन

अध्यापन पद्धति: TH: 4 तासिकाएँ/सप्ताह **श्रेयांक : 04**

परीक्षा पद्धति: CIA : 50 **सत्रांत परीक्षा : 50 अंक**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- छात्रों को हिंदी भाषा की प्रमुख प्रयुक्तियों और प्रयोजनमूलक की शैलियों का परिचय देना।
- छात्रों में हिंदी के कार्य साधक प्रयोग की कुशलता विकसित करना।
- छात्रों को पत्रकारिता के विविध माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा से परिचित कराना।
- दृश्य माध्यमों में हिंदी के प्रयोग की जानकारी और महत्व स्पष्ट करना।
- विज्ञापन तंत्र से परिचित कराते हुए छात्रों में विज्ञापन के व्यावहारिक ज्ञान को वृद्धिंगत करना।
- छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।

पाठ्यक्रम से ज्ञानप्राप्ति (Course Outcomes):

- छात्रों में हिंदी के विविध क्षेत्रोंमें अनुप्रयोग की क्षमता बढ़ेगी।

- छात्रों कोदृश्य माध्यमों में लेखन के अवसर उपलब्ध होंगे।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में हिंदी से संबंधित कार्य छात्र कर पाएंगे।
- विज्ञापन जैसे व्यापक क्षेत्र में छात्रों को कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

पाठ्य- विषय:द्वितीय अयन

इकाई 1	विज्ञापन लेखन	12 तासिकाएँ
	1.1 विज्ञापन लेखन का स्वरुप 1.2 विज्ञापन के प्रकार और महत्व 1.3 विज्ञापन की भाषिक विशेषताएँ 1.4 विज्ञापन लेखन 1.5 अभ्यास 1.6 आजीविकापरक क्षेत्र 1.7 प्रश्नचर्चा	
इकाई 2	समाचार लेखन	12 तासिकाएँ
	2.1 समाचार लेखन 2.2 विज्ञापन लेखन 2.3 साक्षात्कार लेखन 2.4 समीक्षा लेखन 2.5 कविता लेखन 2.6 समाचार लेखन एवं संपादन – शीर्षक संरचना 2.7 व्यावहारिक प्रूफ शोधन 2.8 पृष्ठ सज्जा 2.9 प्रश्न चर्चा 2.10 अभ्यास	
इकाई 3	रेडियो माध्यम के लिए लेखन	12 तासिकाएँ
	3.1 रेडियो लेखन के सिद्धांत 3.2 रेडियो वार्ता लेखन 3.3 रेडियो नाटक लेखन 3.4 रेडियो उद्घोषणा लेखन 3.5 प्रश्न चर्चा 3.6 अभ्यास	
इकाई 4	टेलीविजन माध्यम के लिए लेखन	12 तासिकाएँ

	4.1 टेलीविजन समाचार लेखन 4.2 टेलीविजन धारावाहिक लेखन 4.3 टेलीविजन विज्ञापन लेखन 4.4 संवाद लेखन 4.5 पटकथा लेखन 4.6 साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण 4.7 प्रश्नचर्चा 4.8 अभ्यास	
इकाई 5	सिनेमा के लिए लेखन	12 तासिकाएँ
	5.1 सिनेमा लेखन के सिद्धांत 5.2 फीचर फिल्म लेखन 5.3 वृत्तचित्र लेखन (डाक्युड्रामा) 5.4 प्रश्नचर्चा 5.5 अभ्यास	

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र
2. मीडिया लेखन के सिद्धांत– एन. सी. पन्त
3. मीडिया लेखन – संपा. रमेशचंद्र त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाल
4. भारतीय मीडिया : अंतरंग पहचान – संपा. स्मिता मिश्र
5. पटकथा लेखन – मनोहर श्याम जोशी
6. समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला – डॉ. हरिमोहन
7. साक्षात्कार – मनोहर श्याम जोशी
8. सूचना, प्रौद्योगिकी और जन माध्यम – प्रो. हरिमोहन
9. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक – हर्षदेव
10. दृक-श्रव्य माध्यम लेखन –डॉ. राजेन्द्र मिश्र, इशिता मिश्र
11. व्यावसायिक संप्रेषण – अनूपचंद भायाणी
12. दूरदर्शन : हिंदी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्णकुमार

प्रश्नपत्र का स्वरुप – P8 विशेष स्तर- वैकल्पिक - विशेष विधा तथा अन्य –

अ) मीडिया लेखन

समय – दो घंटे **कुल अंक** – 50

सूचना – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे।

संपूर्ण पाठ्यक्रम पर कुल तीन दीर्घोत्तरी प्रश्न तीन इकाइयों पर होंगे तथा चौथा प्रश्न एक इकाई पर लघुत्तरी(4 में से 2) होगा और पांचवा प्रश्न टिप्पणियों का चारों इकाइयों पर (4 में से 2) होगा। पाँचों प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य

है।